वशि्व दुग्ध दविस

प्रत्येक वर्ष 1 जून को [वशि्व दुग्ध दविस](#) के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख बदिु

- **परचिय:**
  - वशि्व दुग्ध दविस वर्ष 2001 में [संयुक्त राष्ट्र](#) के [खाद्य और कृषि संगठन (FAO)](#) द्वारा एक वैश्वकि आहार के रूप में दूध के महत्त्व को रेखांकति करने के लयि स्थापति कयि गया।
  - इस दनि का उद्देश्य डेयरी क्षेत्र से जुड़ी गतविधियिों पर ध्यान आकर्षति करने का अवसर प्रदान करना है।
- **थीम:**
  - इस वर्ष की थीम **जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने और जलवायु परविर्तन पर डेयरी क्षेत्र के प्रभाव को कम करने** में मदद करने के लयि पहले से चलाए जा रहे कार्योंक्रमों को बढ़ावा देना है।
  - इस मंच का उपयोग करते हुए **डेयरी नेट ज़ीरो** के प्रतसिंदेश और कार्रवाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी।
- **वशिषताएँ:**
  - वशि्व दुग्ध दविस डेयरी क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण योगदान के नम्निलखिति वषियों पर चर्चा को प्रोत्साहति है :
    - अच्छा भोजन, स्वास्थ्य और पोषण।
    - कसिानों की अपने समुदायों, ज़मीनों और अपने पशुधन पर नरि्भरता।
    - डेयरी क्षेत्र में स्थरिता।
    - डेयरी क्षेत्र कैसे आर्थकि वकिास और आजीवकिा में योगदान करता है।

भारतीय डेयरी क्षेत्र:

- भारत 22% वैश्वकि दुग्ध उत्पादन के साथ दुनयि का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरकिा, चीन, पाकस्तिान और ब्राज़ील का नंबर आता है।
- देश में दूध उत्पादन लगभग 6.2% की चक्रवृद्धि वार्षकि वृद्धि दर से बढ़कर 2020-21 में 209.96 मलियिन टन तक पहुँच गया है, जो वर्ष 2014 में 146.31 मलियिन टन था।
  - शीर्ष 5 दूध उत्पादक राज्य हैं: उत्तर प्रदेश (14.9%), राजस्थान (14.6%), मध्य प्रदेश (8.6%), गुजरात (7.6%) और आंध्र प्रदेश (7.0%)।

डेयरी क्षेत्र से संबंधति भारत सरकार की पहल:

- [राष्ट्रीय गोकुल मशिन](#): यह मशिन गोजातीय आबादी के आनुवंशकि उन्नयन और स्वदेशी गोजातीय नस्लों के वकिास और संरक्षण के माध्यम से उत्पादकता में सुधार एवं दूध उत्पादन बढ़ाने के लयि शुरू कयि गया है।
- **गोपाल रत्न पुरस्कार 2021**: गोपाल रत्न पुरस्कार दुग्ध क्षेत्र में काम करने वाले सभी कसिानों, कृत्रमि गर्भाधान तकनीशयिनों और डेयरी सहकारी समतियिों को प्रोत्साहति करने के लयि दयि जाता है।
- [राष्ट्रव्यापी कृत्रमि गर्भाधान कार्यक्रम](#): इस कार्यक्रम के तहत कृत्रमि गर्भाधान सेवाएँ कसिानों के दरवाज़े पर मुफ्त दी जाती हैं।
- **ई-गोपाला एप:** ई-गोपाला एप (उत्पादक पशुधन के माध्यम से धन का सृजन) के रूप में कसिानों के प्रत्यक्ष उपयोग के लयि एक व्यापक नस्ल सुधार बाज़ार और सूचना पोर्टल की सुवधिा उपलब्ध कराई गई है।
- [राष्ट्रीय डेयरी वकिास कार्यक्रम (NPDD):](#) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (SIA) अर्थात् राज्य सहकारी डेयरी परसिंघ के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण दूध के उत्पादन, खरीद, प्रसंस्करण और दूध व दुग्ध उत्पादों के वपिणन के लयि अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्ष 2014 से देश भर में "राष्ट्रीय डेयरी वकिास कार्यक्रम (NPDD)" शुरू कयि गया है।
- [डेयरी प्रसंस्करण एवं अवसंरचना वकिास कोष (DIDF) योजना:](#) DIDF योजना 2017 में दूध प्रसंस्करण और शीतलन संयंत्रों के आधुनकिीकरण के लयि शुरू की गई थी, जसिमें मूल्यवर्द्धन भी शामलि है।
- **"डेयरी सहकारी समतियिों और डेयरी गतविधियिों में लगे कसिान उत्पादक संगठनों का समर्थन करना " (SDCऔर FPO):**
  - पशुपालन और डेयरी वभिाग ने अपनी योजना SDC और FPO के तहत एक घटक के रूप में एक नया घटक**"डेयरी क्षेत्र के लएि कार्यशील पूंजी ऋण पर ब्याज छूट सहायता"** पेश कयि है।

- पशुपालन और डेयरी किसानों के लिये **[किसान क्रेडिट कार्ड (KCC):]** किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से, किसानों को कार्यशील पूंजी व्यय के लिये रियायती ब्याज़ दर पर संस्थागत ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया है।

विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत किसानों को निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिये अल्पकालिक ऋण सुविधा प्रदान की जाती है? (2020)

1. कृषि संपत्तियों के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी
2. कंबाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर और मिनी ट्रक की खरीद
3. खेतिहर परिवारों की उपभोग आवश्यकताएँ
4. फसल के बाद का खर्च
5. पारिवारिक आवास का निर्माण एवं ग्राम कोल्ड स्टोरेज सुविधा की स्थापना

निम्नलिखित कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) केवल 1, 2 और 5
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

- किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना 1998 में किसानों को उनकी खेती के लिये लचीली और सरलीकृत प्रक्रिया के साथ एकल खिड़की के तहत बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता प्रदान करने के लिये शुरू की गई थी। अन्य ज़रूरतों जैसे कि कृषि आदानों की खरीद यथा- बीज़, उर्वरकों, कीटनाशकों आदि का उपयोग करने और अपनी उत्पादन आवश्यकताओं के लिये नकद आहरित करना।
- इस योजना को वर्ष 2004 में किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता जैसे- संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों के लिये आगे बढ़ाया गया था।
- किसान क्रेडिट कार्ड निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ प्रदान किया जाता है:
  - फसलों की खेती के लिये अल्पकालिक ऋण आवश्यकताएँ।
  - फसल के बाद के खर्च। **अतः कथन 4 सही है।**
  - विपणन ऋण का उत्पादन।
  - किसान परिवार की उपभोग आवश्यकताएँ। **अतः कथन 3 सही है।**
  - कृषि संपत्ति और कृषि से संबंधित गतिविधियों, जैसे- डेयरी पशु, अंतर्देशीय मत्स्य पालन आदि के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी।**अतः कथन 1 सही है।**
  - कृषि और संबद्ध गतिविधियों जैसे- पंपसेट, स्प्रेयर, डेयरी पशु आदि के लिये निवेश ऋण की आवश्यकता। हालाँकि यह खंड दीर्घकालिक ऋण का हिस्सा है।
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना वाणिज्यिक बैंकों, आरआरबी, लघु वित्त बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
- किसानों को कंबाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर और मिनी ट्रक की खरीद तथा परिवार हेतु घर के निर्माण एवं गाँव कोल्ड स्टोरेज सुविधा की स्थापना के लिये अल्पकालिक ऋण सहायता नहीं दी जाती है। **अतः कथन 2 सही नहीं हैं। अतः विकल्प (B) सही है।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-milk-day-1